3. उच्चतर माध्यमिक स्तर :— इस स्तर से बालकों का मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, नैतिक, शक्ति ज्ञान आदि सभी दृष्टिकोण से पर्याप्त रूप से विकास हो जाता है। वह स्वयं निर्णय करने योग्य भी हो जाता है। इस स्तर के बालक स्वयं को दूसरों से अभि स्वीकार करवाना चाहते है।

अतः इस स्तर पर नागरिकशास्त्र की शिक्षा निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर दी जा सकती है —

(i) छात्रों में नागरिक कुशलता एवं दायित्व समझने की भावना का विकास करना।

(ii) छात्रों को नागरिक कर्त्तव्यों एवं अधिकारों का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

(iii) छात्रों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना को दृढ़ बनाना।

(iv) छात्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को परिपक्व बनाना जिससे वे सत्य एवं असत्य का प्रचार एवं वास्तविकता के अन्तर को समझ सकें।

(v) छात्रों को स्वतंत्र चिन्तन एवं निर्णय के लिए अवसर प्रदान करना।

(vi) छात्रों को देश की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक आदि क्षेत्रों की समस्याओं से अवगत कराकर उन्हें उनके समाधान के लिए तत्पर बनाना।

(vii) नैतिक चरित्र के गुणों का विकास करना। परन्तु इनका विकास उदाहरण एवं व्यावहारिक क्रियाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए।

(viii) शासन के रूपों एवं लोकतंत्रीय जीवन के ढंगों से

अवगत कराना। उन्हें लोकतंत्रीय ढंग से जीवन व्यतीत करने के लिए अवसर प्रदान किये जायें।

(ix) राजनैतिक दलों एवं उनके कार्यक्रमों का ज्ञान दिया जाये।

(x) भावनात्मक एकता की भावना का विकास कर

शैक्षिक उद्देश्य
[Educational Objectives]

ब्लूम उसके साथियों ने शैक्षिक उद्देश्यों का जो वर्गीकरण प्रस्तुत किया है वह मोटे रूप से शैक्षिक, तार्किक तथा मनोवैज्ञानिक वर्गीकरण पद्धति का न्यायोचित मिश्रण है। ब्लूम तथा उसके साथियों ने बाल-विकास के प्रथमिक पक्षों को अपने वर्गीकरण का आधार बनाया -

उन्होंने इस वर्गीकरण में बाल-विकास के निम्नांकित तीन पक्षों को आधार बनाया

1. संज्ञानात्मक पक्ष
2. भावात्मक पक्ष
3. क्रियात्मक पक्ष

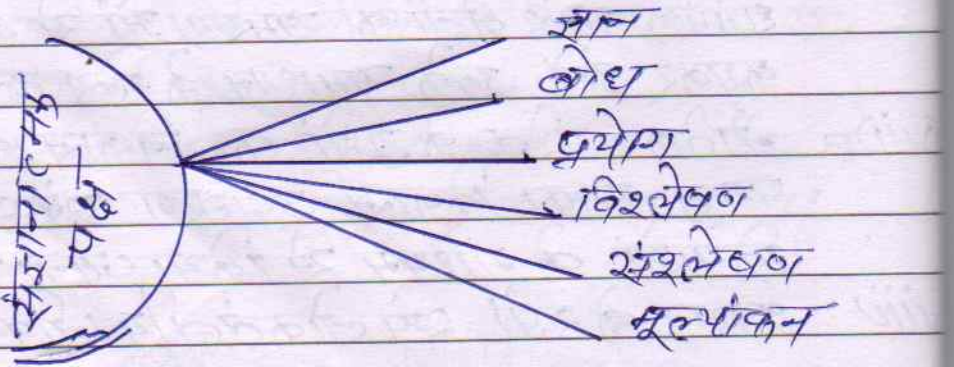

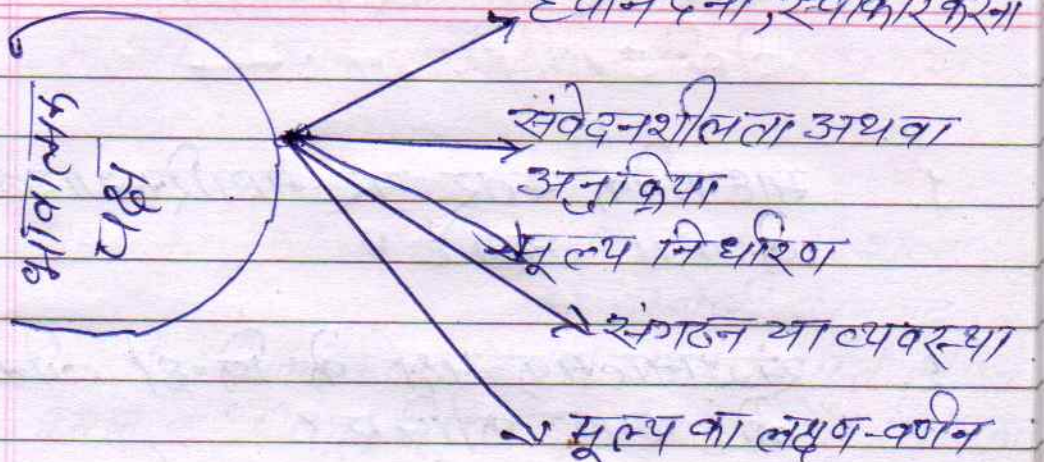

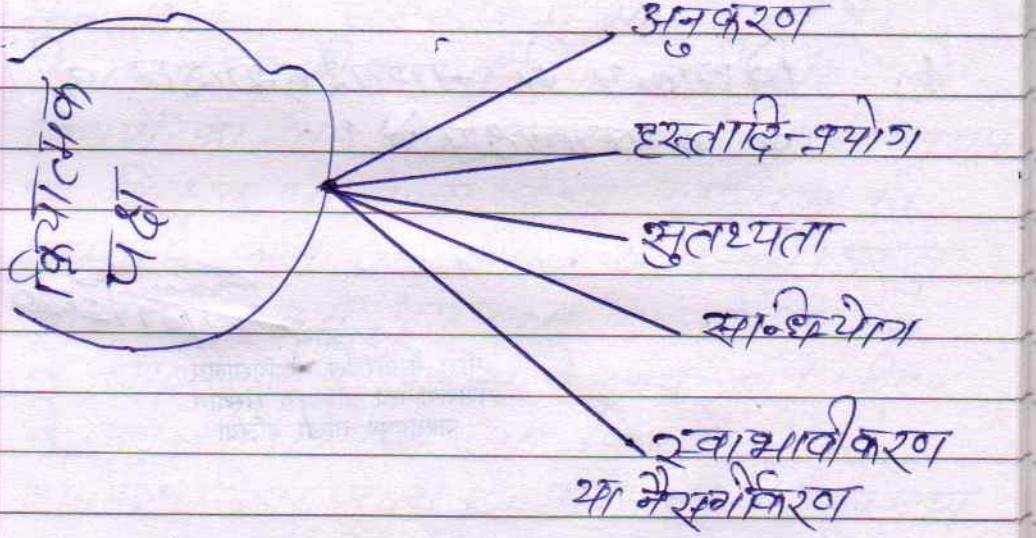

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

अभ्यास आधारित प्रश्न

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :—

1. माध्यमिक स्तर पर नागरिकशास्त्र शिक्षण के क्या लक्ष्य है ?

2. संज्ञानात्मक पक्ष के किन्हीं तीन वर्गों को स्पष्ट कीजिए ?

3. लक्ष्य और उद्देश्य में अन्तर को स्पष्ट कीजिए ?

4. विद्यालय में नागरिकशास्त्र की शिक्षा के क्या लक्ष्य है ?

26/09/2020

प्राचार्य

मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया